



# NE gas pipeline partially commissioned

**SHUBHANGI MATHUR**

New Delhi, 8 December

The North East natural gas pipeline grid (NEGG) has been partially commissioned, connecting the 396-kilometre Guwahati to Numaligarh section, the Petroleum Natural Gas Regulatory Board (PNGRB) said.

The section has also been connected to Numaligarh Refinery Limited (NRL), which enables the refinery to access natural gas through the grid, marking the first

operational interface of the pipeline with a major industrial consumer, PNGRB said.

NEGG is being developed by Indradhanush Gas Grid Limited, a joint venture between Indian Oil Corporation Ltd, ONGC, Gail (India), Oil India Ltd, and NRL. It was authorised in November 2020 to connect the eight states of North East with piped natural gas and to source gas from the gas fields that were not connected with the markets.

“The NEGG project was conceived

under the Hydrocarbon Vision 2030 for North East India with the objective of creating an integrated natural gas pipeline network to meet the growing energy needs of the region,” said PNGRB.

The total authorised length of the pipeline grid is 1,688 km, including 196 km of spur and feeder lines. NEGG has been designed for a transportation capacity of 4.75 million metric standard cubic metre per day (MMSCMD) and is planned for full commissioning by March 31, 2026.

# पूर्वोत्तर गैस पाइपलाइन आंशिक रूप से चालू

शुभांगी माथुर  
नई दिल्ली, 8 दिसंबर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने कहा है कि पूर्वोत्तर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन ग्रिड (एनईजीजी) को आंशिक रूप से चालू कर दिया गया है, जो 396 किलोमीटर के गुवाहाटी से नुमालीगढ़ खंड को जोड़ती है।

नियामक ने कहा कि इस खंड को नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) से भी जोड़ा गया है। इससे रिफाइनरी अब ग्रिड के माध्यम से प्राकृतिक गैस का उपयोग करने में सक्षम हो गई है, जो एक प्रमुख औद्योगिक उपभोक्ता के साथ पाइपलाइन का पहला

परिचालन इंटरफेस है। एनईजीजी को इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड विकसित कर रही है। यह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ओएनजीसी, गेल, ऑयल इंडिया लिमिटेड और एनआरएल का संयुक्त उद्यम है। इसे नवंबर 2020 में पूर्वोत्तर के 8 राज्यों को पाइप वाली प्राकृतिक गैस से जोड़ने और उन गैस क्षेत्रों से गैस प्राप्त करने के लिए बनाया गया था, जो बाजारों से जुड़े नहीं थे। पीएनजीआरबी ने कहा, 'एनईजीजी परियोजना की परिकल्पना पूर्वोत्तर भारत के लिए हाइड्रोकार्बन विजन 2030 के तहत इस क्षेत्र की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक एकीकृत प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क बनाने के उद्देश्य से की गई।